ब्रेन इंटरनेशनल स्कूल

हिंदी (002)

कक्षा – बारहवीं

निर्धारित समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 80 अंक**

सामान्य निर्देश –

- इस प्रश्न–पत्र में तीन खंड हैं – **खंड- क, ख और ग ।**
- दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- तीनों खंडों के कुल 13 प्रश्न हैं। तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

प्रश्न	**खंड – क (अपठित बोध)**	**अंक**
1.	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए	10
	आदमी के और सारे गुण उसके हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं।ज़िंदगी की दो सूरतें हैं। एक तो यह कि आदमी बड़े-से-बड़े मकसद के लिए कोशिश करे, जगमगाती हुई जीत पर पंजा डालने के लिए हाथ बढ़ाए और अगर असफलताएँ कदम-कदम पर जोश की रोशनी के साथ अँधियाली का जाल बुन रही हों, तब भी यह पाँव पीछे न हटाए। दूसरी सूरत यह है कि उन गरीब आत्माओं का हमजोली बन जाए जो न तो बहुत अधिक सुख पाती हैं और न जिन्हें बहुत अधिक दुख पाने का ही संयोग है, क्योंकि वे आत्माएँ ऐसी गोधूलि में बसती हैं, जहाँ न तो जीत हँसती है और न कभी हार के रोने की आवाज़ सुनाई पड़ती है। इस गोधूलि वाली दुनिया के लोग बँधे हुए घाट का पानी पीते हैं, वे ज़िंदगी के साथ जुआ नहीं खेल सकते। साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी ज़िंदगी होती है। ऐसी ज़िंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि यह बिलकुल निडर, बिलकुल बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान	

	यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोचते हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी ही दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं।साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है। झुंड में चलना और झुंड में चरना, यह भैंस और भेड़ का काम है। सिंह तो बिलकुल अकेला होने पर भी मगन रहता है। (हिम्मत और ज़िंदगी: रामधारी सिंह 'दिनकर')	
(क)	"गोधूलि वाली दुनिया के लोगो से अभिप्राय ऐसे लोगों से है जो -.....। उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए । i. विवशता और अभाव में जीते हैं । ii. जीवन को दाँव पर लगा देते हैं । iii. फल की कामना नहीं करते हैं । iv. जय-पराजय के अनुभव से परे होते हैं ।	1
(ख)	निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए। **कथन** – जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी ही दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। **कारण** – साहसी व्यक्ति लीक से हटकर अपनी आवश्यकता एवं लक्ष्य के अनुरूप मार्ग का अनुसरण करता है, इसके माध्यम से वह लोगों में नई चेतना जगाता है।	1

	i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है। ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं। iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है। iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।	
(ग)	"साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है।" इस कथन के माध्यम से लेखक ..... का संदेश देना चाहते हैं। i. सदाचार ii. स्वावलंबन iii. निलंबन iv. मिथ्याचार	1
(घ)	कौन-से लोग बँधे हुए घाट का पानी पीते हैं?	1
(ङ)	'आदमी के और सारे गुण उसके हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं।'आशय स्पष्ट कीजिए।	2
(च)	ज़िंदगी की दोनों स्थितियों में से कौन–सी उचित है? कारण सहित लिखिए ।	2
(छ)	लेखक द्वारा अकेले चलने वाले की तुलना सिंह से किए जाने का औचित्य सिद्ध कीजिए ।	2
2.	निम्नलिखित कविता के अंश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–	8
	बाधाएँ आती हैं आएँ घिरें प्रलय की घोर घटाएँ, पावों के नीचे अंगारे, सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ, निज हाथों से हँसते-हँसते, आग लगाकर जलना होगा। कदम मिलाकर चलना होगा। उजियारे में, अंधकार में, कल कछार में, बीच धार में,	

	घोर घृणा में,पूत प्यार में, क्षणिक जीत में, दीर्घ हार में जीवन के शत-शत आकर्षक अरमानों को दलना होगा। कदम मिलकर चलना होगा। सम्मुख फैला अमर ध्येय पथ प्रगति चिरंतन कैसा इति अथ सुस्मित हर्षित कैसा श्रम श्लथ असफल, सफल समान मनोरथ, सब कुछ देकर कुछ न माँगते, पावस बनकर ढलना होगा। कदम मिलाकर चलना होगा। कुश काँटों से सज्जित जीवन , प्रखर प्यार से वंचित यौवन, नीरवता से मुखरित मधुवन, परहित हर्षित अपना तन-मन,	
(क)	'सिर पर ज्वालाएँ बरसने' से क्या आशय है? i. सिर पर आग बरसाना ii. सामने कठिनाई होना iii. खतरों से खेलना iv. सामने आग होना	1
(ख)	सुस्मित हर्षित कैसा श्रम श्लथ – पंक्ति में 'श्लथ' का क्या अर्थ है? i. बेहोश ii. ऊर्जावान iii. थका हुआ	1

	iv. पसीना	
(ग)	'कदम मिलाकर चलना होगा' – कविता के केंद्रीय भाव को दर्शाने वाले कथन है /हैं – I. निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा II. जीवन के कष्टों से ना घबराना III. घृणा को सर्वोपरि समझना i. केवल (I) ii. केवल (II) iii. (I) और (II) iv. (II) और (III)	1
(घ)	कवि ने किस प्रकार की विपत्तियों में हँसते-हँसते आगे बढ़ने की बात कही है?	1
(ङ)	कवि ने 'परहित अर्पित अपना तन-मन' क्यों कहा है? अपने विचार प्रकट कीजिए।	2
(च)	कवि ने हमें 'पावस' बनने को क्यों कहा है?	2
	खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर)	
3.	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -	
(क)	संपादकीय लेखन से क्या तात्पर्य है? (शब्द सीमा - लगभग 20 शब्द)	1
(ख)	रेडियो के लिए समाचार कॉपी तैयार करते हुए किन बुनियादी बातों का ध्यान रखना चाहिए? किन्हीं दो का वर्णन कीजिए। (शब्द सीमा - लगभग 40 शब्द)	2
(ग)	मीडिया जगत में फ्रीलांसर की भूमिका का उल्लेख कीजिए। (शब्द सीमा - लगभग 40 शब्द)	2
4.	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए -	2x3=6
(क)	समाचार लेखन की शैली का विस्तृत परिचय दीजिए।	3
(ख)	अच्छे फीचर लेखन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।	3
(ग)	बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में अंतर स्पष्ट कीजिए।	3
5.	निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए –	5

(क)	जैसे ही मैंने नदी के शीतल जल को छुआ	
(ख)	मेरी जीप के सामने अचानक शेर आ गया	
(ग)	देश के प्रति मेरा कर्तव्य यह है..	
6.	निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए-	2x3=6
(क)	"वियोगी होगा पहला कवि, आह से उपजा होगा गान।" काव्य पंक्ति के माध्यम से कविता लेखन के संदर्भ में उजागर होने वाले बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।	3
(ख)	रंगमंच प्रतिरोध का सशक्त माध्यम है। सिद्ध कीजिए।	3
(ग)	कहानी के संदर्भ में लिखिए कि द्वंद्व से क्या अभिप्राय है? वह कहानी का महत्वपूर्ण तत्व क्यों है?	3
	खंड- ग (पाठ्य पुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर)	
7.	निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए–	5x1=5
	सुनते हैं मिट्टी में रस है जिससे उगती दूब है अपने मन के मैदानों पर व्यापी कैसी ऊब है आधे आधे गाने तोड़ो तोड़ो तोड़ो ये ऊसर बंजर तोड़ो ये चरती परती तोड़ो सब खेत बनाकर छोड़ो मिट्टी में रस होगा ही जब वह पोसेगी बीज को हम इसको क्या कर डालें इस अपने मन की खीज को? गोड़ो गोड़ो गोड़ो	
(क)	तोड़ो कविता का कवि मन में व्याप्त ऊब और खीज को तोड़ने की बात करता है क्योंकि वह..... का समर्थक है। i. ऊसर ii. विध्वंस	1

	iii. सृजन iv. कुंजन	
(ख)	निम्नलिखित कथन–कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। **कथन**– सुनते हैं मिट्टी में रस है, जिसमें उगती दूब है। **कारण**– मिट्टी में उर्वरा शक्ति है इसलिए उसमें से दूब उगती है। i. कथन गलत है, किंतु कारण सही है। ii. कथन और कारण दोनों गलत हैं। iii. कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है। iv. कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है।	1
(ग)	'आधे–आधे गाने' से कवि का तात्पर्य है– i. आधे गीत का गायन ii. मैदान का अधूरापन iii. कवि का व्यथित हृदय iv. अधूरी क्रियात्मक शक्ति	1
(घ)	मन की खीज से आशय है– मन की..... । i. ईर्ष्या ii. कड़वाहट iii. झुंझलाहट iv. व्यथा	1
(ङ)	कवि ने मानव मन की दशा बताई है/हैं – **कथन 1**- धरती और मानव मन की दशा में समानता है। **कथन 2**- मानव मन सदैव बुराई से आकर्षित होता है।	1

	कथन 3- धरती के उपजाऊ तत्व पत्थर कंकड़ एवं मन के खीज, अनचाहे विचार हैं। i. केवल कथन 1 ii. कथन 1 और 2 iii. केवल कथन 3 iv. कथन 2 और 3	
8.	काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए-	2x2=4
(क)	'मैंने देखा एक बूँद" कविता के संदर्भ में क्षण के महत्व को उजागर करते हुए कविता का मूल भाव लिखिए।	2
(ख)	'कॉर्नेलिया का गीत' के आधार पर भारत की सांस्कृतिक विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिए।	2
(ग)	कवि घनानंद ने किस प्रकार की पुकार से "कान खोलि है" की बात कही है?	2
9.	निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।	6
(क)	आदमी दशाश्वमेध पर जाता है और पाता है घाट का आखिरी पत्थर कुछ और मुलायम हो गया है सीढ़ियों पर बैठे बंदरों की आँखों में एक अजीब-सी नमी है और एक अजीब सी चमक से भर उठा है भिखारियों के कटोरों का निचाट खालीपन तुमने कभी देखा है खाली कटोरों में वसंत का उतरना ! यह शहर इसी तरह खुलता है इसी तरह भरता और खाली होता है यह शहर	
	अथवा	
(ख)	सखि हे, कि पुछसि अनुभव मोए।	

	सेह पिरिति अनुराग बखानिअ तिल तिल नूतन होए।। जनम अबधि हम रूप निहारल नयन न तिरपित भेल ।। सेहो मधुर बोल स्रवनहि सूनल स्रुति पथ परस न गेल।। कत मधु-जामिनि रभस गमाओलि न बूझल कइसन केलि ।। लाख लाख जुग हिअ हिअ राखल तइओ हिअ जरनि न गेल।। कत बिदगध जन रस अनुमोदए अनुभव काहु न पेख।। विद्यापति कह प्रान जुड़ाइते लाखे न मीलल एक ।।	
10.	निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए -	5x1=5
	यह जो मेरे सामने कुटज का लहराता पौधा खड़ा है वह नाम और रूप दोनों में अपनी अपराजेय जीवनी शक्ति की घोषणा कर रहा है। इसीलिए यह इतना आकर्षक है। नाम है कि हजारों वर्ष से जीता चला आ रहा है। कितने नाम आए और गए। दुनिया उनको भूल गई, वे दुनिया को भूल गए। मगर कुटज है कि संस्कृति की निरंतर स्फीयमान शब्दराशि में जो जमके बैठा, सो बैठा ही है। और रूप की तो बात ही क्या है! बलिहारी है इस मादक शोभा की। चारों ओर कुपित यमराज के दारुण नि:श्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रुद्ध अज्ञात जलस्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है। और मूर्ख के मस्तिष्क से भी अधिक सूने गिरि कांतार में भी ऐसा मस्त बना है कि ईर्ष्या होती है। कितनी कठिन जीवनी-शक्ति है! प्राण ही प्राण को पुलकित करता है, जीवनी-शक्ति ही जीवनी-शक्ति को प्रेरणा देती है।	
(क)	कुटज द्वारा की गई घोषणा उसकी .....दर्शाती है। i. जिज्ञासा ii. जिजीविषा iii. मुमूर्षा iv. शुश्रुषा	1

(ख)	निम्नलिखित में से लेखक के अनुसार सबसे सही वाक्य चुनिए- i. कठिन परिस्थितियों में भी जीना सीखें। ii. रेगिस्तान में कुटज बहुतायत में पाया जाता है। iii. केवल नाम के कारण ही जीवन में प्रसिद्धि प्राप्त होती है। iv. नि र्झर का बहता जल कुटज को भलीभांति सींचता है।	1
(ग)	निम्नलिखित कथन तथा कारण पर विचार कीजिए और सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर लिखिए- **कथन -** कुपित यमराज के दारुण नि:श्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है. **कारण -** यमराज के क्रोध के कारण कुटज की जीवनीशक्ति कम हो जाती है जिसके कारण वह सूख जाता है। i. कथन गलत है, किंतु कारण सही है। ii. कथन और कारण दोनों गलत हैं। iii. कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है। iv. कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है।	1
(घ)	गद्यांश में लेखक ने कुटज का …….. दर्शाया है। i. स्वार्थ ii. स्वाभिमान iii. लालच iv. कर्तव्य	1
(ङ)	मगर कुटज है कि संस्कृति की निरंतर स्फीयमान शब्दराशि में जो जमके बैठा, सो बैठा ही है। पंक्ति के माध्यम से लेखक संस्कृति के किस महत्त्व को उजागर करता है कि संस्कृति है –	1

	i. अनवरत ii. असहमत iii. अप्राप्य iv. अबोध	
11	गद्य खंड पर आधारित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए-	2x2=4
(क)	अपने ही गाँव में पहुँचकर हरगोबिन के दिशा भ्रमित होने का कारण बताइए।	2
(ख)	गंगा तट पर उपस्थित स्वयंसेवकों का कार्य व्यवहार आज के युवा वर्ग को किस प्रकार प्रेरित करता है?	2
(ग)	'कभी-कभी किसी इलाके की संपदा ही उसका अभिशाप बन जाती है।'स्पष्ट कीजिए।	2
12.	निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।	6
(क)	यह पूछा गया कि तू क्या करेगा। बालक ने सीखा सिखाया उत्तर दिया कि मैं यावज्जन्म लोकसेवा करूँगा। सभा 'वाह-वाह' करती सुन रही थी, पिता का हृदय उल्लास से भर रहा था। एक वृद्ध महाशय ने उसके सिर पर हाथ फेरकर आशीर्वाद दिया और कहा कि जो तू इनाम माँगे वही दें। बालक कुछ सोचने लगा। पिता और अध्यापक इस चिंता में लगे कि देखें यह पढ़ाई का पुतला कौन-सी पुस्तक माँगता है। बालक के मुख पर विलक्षण रंगों का परिवर्तन हो रहा था, हृदय में कृत्रिम और स्वाभाविक भावों की लड़ाई की झलक आँखों में दीख रही थी। कुछ खाँसकर, गला साफ़ कर नकली परदे के हट जाने पर स्वयं विस्मित होकर बालक ने धीरे से कहा, 'लड्डू'। पिता और अध्यापक निराश हो गए। इतने समय तक मेरा श्वास घुट रहा था। अब मैंने सुख से साँस भरी। उन सबने बालक की प्रवृत्तियों का गला घोंटने में कुछ उठा नहीं रखा था।	
	अथवा	
(ख)	कुछ दिनों के बाद मैंने सुना कि शेर अहिंसा और सह-अस्तित्ववाद का बड़ा जबरदस्त समर्थक है इसलिए जंगली जानवरों का शिकार नहीं करता। मैं सोचने लगा, शायद शेर के पेट में वे सारी चीजें हैं जिनके लिए लोग वहाँ जाते हैं और मैं भी एक दिन शेर के पास	

	गया। शेर आँखें बंद किए पड़ा था और उसका स्टाफ आफ़िस का काम निपटा रहा था। मैंने वहाँ पूछा, "क्या यह सच है कि शेर साहब के पेट के अंदर, रोज़गार का दफ़्तर है?" मैंने पूछा, "कैसे?" बताया गया, "सब ऐसा ही मानते हैं।" मैंने पूछा, "क्यों? क्या प्रमाण है?" बताया गया, "प्रमाण से अधिक महत्त्वपूर्ण है विश्वास?" मैंने कहा, "और यह बाहर जो रोजगार का दफ्तर है?"	
13.	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।	2x5=10
(क)	तकनीकी और प्रौद्योगिकी विकास से ग्रामीण जीवन की संस्कृति कैसे नष्ट हो सकती है? 'अपना मालवा खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए।	5
(ख)	'सूरदास की झोपड़ी' के नायक की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लिखिए कि उसके व्यक्तित्व से आपको क्या प्रेरणा मिलती है।	5
(ग)	'बिस्कोहर की माटी' पाठ का मूल कथ्य स्पष्ट कीजिए।	5

>>>

ब्रेन इंटरनेशनल स्कूल

हिंदी (002)

कक्षा – बारहवीं

निर्धारित समय : 03 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश –

- इस प्रश्न-पत्र में तीन खंड हैं - **खंड- क, ख और ग ।**
- दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- तीनों खंडों के कुल 13 प्रश्न हैं। तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

प्रश्न	**खंड – क (अपठित बोध)**	**18 अंक**
1.	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-	10
	सभ्य होने की प्रक्रिया मानवता की सबसे अच्छी उपलब्धि है। इससे हम उन लक्षणों को चिह्नित कर लेते हैं, जो हमारे आदर्शों को सुचारु रूप से कार्य करने में बाधित करते हैं। कोई भी, जो इस प्रक्रिया से नहीं गुजरता, 'पिछड़ा' ही रहता है और सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं बना पाता। विभिन्न गुणों को मिलाकर एक पूर्ण मानव का जन्म होता है। लेकिन हमारी संस्कृति यह चाहती है कि हम एक निश्चित तरीके से जीवन जिएँ, जो कि हमारी स्वयं की प्रकृति का एक छोटा सा स्वरूप होता है। इस प्रकार हमारी प्रकृति और जो कुछ हम हैं, उसके शेष भाग को नकार देते हैं। हम स्वयं को अपने स्वार्थ और परछाईं में बाँट लेते हैं, क्योंकि हमारी संस्कृति हमें एक विशिष्ट प्रकार से जीने के लिए ज़ोर देती है। ज्ञान का भंडार पा लेने के बाद वर्षों की सभ्यता से शायद यही हमें विरासत में मिला है। पूरे समाज के जीवन जीने के तरीके को संस्कृति कहते हैं। इसमें सम्मिलित हैं- आचरण के तरीके, पहनावा, भाषा, धर्म, परंपराएँ, व्यवहार के तरीके तथा विचारों से विश्वास बनने की प्रणाली। हमारे अंदर छिपे साधारण मानव को हमसे दूर करके संस्कृति हमें एक जटिल सी शक्ति दे देती है। **स्रोत - डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, पुस्तक-विजयी भव से साभार**	
(क)	संस्कृति शब्द को परिभाषित किया जा सकता है:- (i) सभ्य और संस्कारी होना (ii) उपलब्धियों की प्राप्ति (iii) आदर्शों के साथ जीवन (iv) सामाजिक प्रतिष्ठित शैली	1

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

(ख)	निम्नलिखित प्रश्न को पढ़कर नीचे दिए गए कथनों पर विचार कीजिए:- लेखक के अनुसार संस्कृति के तत्त्व हैं:- (I) सभ्य होना (II) भाषा, धर्म एवं परम्पराएँ (III) ख़ुद को स्वार्थ और परछाई में बाँट लेना (IV) व्यवहार की शैली, पहनावा गद्यांश के अनुसार कौन-सा/ से कथन सही हैं? (i) केवल कथन (I) सही है। (ii) केवल कथन (II) और (IV) सही हैं। (iii) केवल कथन (I) और (II) सही हैं। (iv) केवल कथन (I) और (IV) सही हैं।	1
(ग)	पिछड़े हुए समाज का आधारभूत लक्षण माना जा सकता है:- (i) असभ्य होना (ii) स्वार्थी होना (iii) सुदृढ़ परंपरा (iv) साधारण मानव	1
(घ)	मानव की सर्वोत्तम उपलब्धि क्या है ?	1
(ङ)	हमारी संस्कृति हमसे से क्या अपेक्षा रखती है?	2
(च)	हमें संस्कृति शक्ति कैसे प्रदान करती है?	2
(छ)	हम स्वयं को अपने स्वार्थ और परछाईं में क्यों बाँट लेते हैं?	2
2.	निम्नलिखित कविता के अंश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-	8
	क़लम अपनी साध, और मन की बात बिलकुल ठीक कह एकाध। यह कि तेरी-भर न हो तो कह, और बहते बने सादे ढंग से तो बह। जिस तरह हम बोलते हैं, उस तरह तू लिख, और इसके बाद भी हमसे बड़ा तू दिख। चीज़ ऐसी दे कि जिसका स्वाद सिर चढ़ जाए बीज ऐसा बो कि जिसकी बेल बन बढ़ जाए। फल लगें ऐसे कि सुख-रस, सार और समर्थ प्राण-संचारी कि शोभा-भर न जिनका अर्थ। टेढ़ मत पैदा करे गति तीर की अपना, पाप को कर लक्ष्य, कर दे झूठ को सपना।	

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

	विंध्य, रेवा, फूल, फल, बरसात या गर्मी, प्यार प्रिय का, कष्ट-कारा, क्रोध या नरमी, देश या कि विदेश, मेरा हो कि तेरा हो हो विशद विस्तार, चाहे एक घेरा हो, तू जिसे छू दे दिशा दिशा कल्याण हो उसकी, तू जिसे गा दे सदा वरदान हो उसकी। कवि- 'भवानी प्रसाद मिश्र '	
(क)	कविता में 'कलम' किसका प्रतीक है ? (i) कवि (ii) हथियार (iii) समाज की आवाज़ (iv) कवि के विचार	1
(ख)	'जिस तरह हम बोलते हैं, उस तरह तू लिख' पंक्ति में कवि क्या संदेश देना चाहते हैं? (i) सरल भाषा में लिखना (ii) सच्चाई को उजागर करना (iii) बोली की भाषा में लिखना (iv) सामान्य जन के भाव लिखना	1
(ग)	किन पंक्तियों में लेखनी को असत्य और अन्याय के विरुद्ध लिखने की बात कह रहे हैं? (i) चीज़ ऐसी दे कि जिसका स्वाद सिर चढ़ जाए (ii) पाप को कर लक्ष्य कर दे झूठ को सपना। (iii) टेढ़ मत पैदा करे गति तीर की अपना (iv) प्राण-संचारी कि शोभा-भर न जिनका अर्थ।	1
(घ)	कविता में प्रकृति और मानवीय भावनाओं का समन्वय कैसे किया गया है ?	1
(ङ)	कविता में कलम से किन बीजों को बोने और चढ़ने की बात कही है ?	2
(च)	कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं ?	2
	खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर)	**22 अंक**
3.	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -	5
(क)	एंकर-विज़ुअल क्या है? (शब्द सीमा - लगभग 20 शब्द)	1
(ख)	टेलीविज़न समाचार की भाषा पर टिप्पणी कीजिए। (शब्द सीमा-लगभग 40 शब्द)	2
(ग)	मीडिया की भाषा में बीट से क्या तात्पर्य है ? (शब्द सीमा - लगभग 40 शब्द)	2
4.	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए -	2x3=6

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

(क)	विशेष लेखन की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।	3
(ख)	फीचर लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? लिखिए।	3
(ग)	समाचार लेखन की विशेष शैली का वर्णन कीजिए।	3
5.	निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए -	5
(क)	जैसे ही मैं बस में चढ़ा /चढ़ी	
(ख)	कोहरे की वह सुबह	
(ग)	जब मैं आम के पेड़ पर चढ़ा /चढ़ी	
6.	निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए-	2x3=6
(क)	कविता में बिंब और छंद के महत्व को स्पष्ट कीजिए।	3
(ख)	कहानी के क्लाइमेक्स का चित्रण ध्यानपूर्वक क्यों करना चाहिए ?	3
(ग)	नाटक का मात्र एक मौन, अंधकार या ध्वनि प्रभाव, कहानी या उपन्यास के बीस-पच्चीस पृष्ठों की बराबरी कर सकता है। इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।	3
	खंड- ग (पाठ्य पुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर)	**40 अंक**
7.	निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए-	5x1=5
	यह दीप अकेला स्नेह भरा है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो। यह जन है- गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गाएगा ? पनडुब्बा - ये मोती सच्चे फिर कौन कृती लाएगा ? यह समिधा - ऐसी आग हठीला बिरला सुलगाएगा । यह अद्वितीय - यह मेरा-यह मैं स्वयं विसर्जित - यह दीप, अकेला, स्नेह भरा है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो। यह मधु है - स्वयं काल की मौना का युग-संचय, यह गोरस-जीवन-कामधेनु का अमृत-पूत पय यह अंकुर-फोड़ धरा को रवि को तकता निर्भय, यह प्रकृत, स्वयंभू, ब्रह्म, अयुतः इसको भी शक्ति को दे दो।	
(क)	दीप' किसका प्रतीक है ? (i) व्यक्ति (ii) समाज	1

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

	(i) प्रकाश (iv) परिवार	
(ख)	निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। **कथन** - यह गोरस-जीवन-कामधेनु की मौना का युग-संचय। **कारण** - विश्वास रूपी दीपक अत्यधिक माधुर्य से भरा हुआ है। दीप जीवन रूपी कामधेनु द्वारा प्रदत्त अमृत तुल्य पवित्र दूध के समान है। (i) कथन गलत है, किंतु कारण सही है। (ii) कथन और कारण दोनों गलत हैं। (iii) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है। (iv) कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है।	1
(ग)	पंक्ति' किसका प्रतीक है ? (i) कतार (ii) समष्टि (iii) व्यष्टि (iv) अहंकार	1
(घ)	'दीप का पंक्ति में विलय' का भाव है - दीप (i) की सत्ता का सार्वभौमीकरण । (ii) के अहंकार के मद को दूर करना । (iii) को पंक्ति में स्थान देना । (iv) के एकाकीपन को दूर करना।	1
(ङ)	पनडुब्बा से आप क्या समझते हैं ? (i) गोताखोर (ii) बड़ी मछली (iii) तैरने वाले पक्षी (iv) पाल वाली नाव	1
8.	काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए-	2x2=4
(क)	देवसेना की हार या निराशा के क्या कारण हैं?	2
(ख)	'सरोज स्मृति' कविता में सरोज के विवाह को अन्य विवाहों से भिन्न कहने का कारण स्पष्ट कीजिए।	2
(ग)	भरत के किन उद्गारों से उनका राम के प्रति श्रद्धाभाव प्रकट होता है, स्पष्ट कीजिए।	2
9.	निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या 100 शब्दों में कीजिए।	6
(क)	सुनते हैं मिट्टी में रस है जिससे उगती दूब है अपने मन के मैदानों पर व्यापी कैसी ऊब है आधे आधे गाने	

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

	तोड़ो तोड़ो तोड़ो ये ऊसर बंजर तोड़ो ये चरती परती तोड़ो सब खेत बनाकर छोड़ो मिट्टी में रस होगा ही जब वह पोसेगी बीज को हम इसको क्या कर डालें इस अपने मन की खीज को? गोड़ो गोड़ो गोड़ो	
	अथवा	
(ख)	के पतिआ लए जाएत रे मोरा पिअतम पास । हिए नहि सहए असह दुख रे भेल साओन मास ।। एकसरि भवन पिआ बिनु रे मोहि रहलो न जाए । सखि अनकर दुख दारुन रे जग के पति आए ।। मोर मन हरि हर लए गेल रे अपनो मन गेल । गोकुल तजि मधुपुर बस रे कन अपजस लेल ।। सखि हे, कि पुछसि अनुभव मोए।	
10.	निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए -	5x1=5
	ये लोग आधुनिक भारत के नए 'शरणार्थी' हैं, जिन्हें औद्योगीकरण के झंझावात ने घर-ज़मीन से उखाड़कर हमेशा के लिए निर्वासित कर दिया है। प्रकृति और इतिहास के बीच गहरा अंतर है। बाढ़ या भूकंप के कारण लोग अपना घरबार छोड़कर कुछ अरसे के लिए बाहर चले जाते हैं, किंतु आफत टलते ही वे दोबारा अपने जाने-पहचाने परिवेश में लौट भी आते हैं। किंतु विकास और प्रगति के नाम पर जब इतिहास लोगों को उन्मूलित करता है, तो वे फिर अपने घर वापस नहीं लौट सकते। आधुनिक औद्योगीकरण की आँधी में सिर्फ़ मनुष्य ही नहीं उखड़ता, बल्कि उसका परिवेश और आवास स्थल भी हमेशा के लिए नष्ट हो जाते हैं। एक भरे-पूरे ग्रामीण अंचल को कितनी नासमझी और निर्ममता से उजाड़ा जा सकता है। सिंगरौली इसका ज्वलंत उदाहरण है। अगर यह इलाका उजाड़ रेगिस्तान होता तो शायद इतना क्षोभ नहीं होता; किंतु सिंगरौली की भूमि इतनी उर्वरा और जंगल इतने समृद्ध हैं कि उनके सहारे शताब्दियों से हजारों वनवासी और किसान अपना भरण-पोषण करते आए हैं।	

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

(क)	गद्यांश का वर्ण्य विषय है – (i) विस्थापन की समस्या (ii) वन-संपदा की विशेषता (iii) औद्योगीकरण विकास का पक्ष (iv) ग्रामीण अंचल की उपयोगिता	1
(ख)	भरे-पूरे ग्रामीण अंचल को नासमझी से उजाड़ने का कारण है- (i) अनुदारता (ii) समरूपता (iii) स्वार्थलोलुपता (iv) असामाजिकता	1
(ग)	गद्यांश में किस गाँव के नष्ट होने की बात की गई है – (i) रेगिस्तान (ii) नवागाँव (iii) आधुनिक (iv) सरौली	1
(घ)	आधुनिक भारत के नए शरणार्थी हैं – (i) लेखक और उनके मित्र (ii) दूसरे देशों से आए लोग (iii) अपने मूल स्थान से उजड़े लोग (iv) विकास की दौड़ के प्रतिभागी	1
(ङ)	निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। **कथन –** अगर यह इलाका उजाड़ रेगिस्तान होता तो शायद इतना क्षोभ नहीं होता। **कारण** – रेगिस्तान में जनजीवन की बसावट नहीं होती इसलिए लेखक की चिंता और व्याकुलता उसके प्रति नहीं है। (i) कथन गलत है, किंतु कारण सही है। (ii) कथन और कारण दोनों गलत हैं। (iii) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है। (iv) कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है।	1

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

11	गद्य खंड पर आधारित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए-	2x2=4
(क)	भारतेंदु जी के मकान के नीचे का परिचय बहुत शीघ्र गहरी मैत्री में परिणत हो गया। ' पाठ के आधार पर लिखिए।	2
(ख)	'दूसरा देवदास' कहानी के आधार पर लिखिए कि पुजारी ने संभव और पारो को 'युगल' समझकर आशीर्वाद क्यों दिया?	2
(ग)	अराफ़ात द्वारा 'अतिथि देवो भवः' परंपरा का वहन किया जा रहा था। पाठ के आधार पर लिखिए।	2
12.	निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या 100 शब्दों में कीजिए।	6
(क)	एक मिल मालिक के दिमाग में अजीब-अजीब खयाल आया करते थे जैसे सारा संसार मिल हो जाएगा, सारे लोग मज़दूर और वह उनका मालिक या मिल में और चीजों की तरह आदमी भी बनने लगेंगे, तब मज़दूरी भी नहीं देनी पड़ेगी, वगैरा-वगैरा । एक दिन उसके दिमाग में खयाल आया कि अगर मज़दूरों के चार हाथ हों तो काम कितनी तेज़ी से हो और मुनाफ़ा कितना ज़्यादा । लेकिन यह काम करेगा कौन ? उसने सोचा, वैज्ञानिक करेंगे, ये हैं किस मर्ज़ की दवा । उसने यह काम करने के लिए बड़े वैज्ञानिकों को मोटी तनख्वाहों पर नौकर रखा और वे नौकर हो गए। कई साल तक शोध और प्रयोग करने के बाद वैज्ञानिकों ने कहा कि ऐसा असंभव है कि आदमी के चार हाथ हो जाएँ।	
	अथवा	
(ख)	यह जो मेरे सामने कुटज का लहराता पौधा खड़ा है वह नाम और रूप दोनों में अपनी अपराजेय जीवनी शक्ति की घोषणा कर रहा है। इसीलिए यह इतना आकर्षक है। नाम है कि हजारों वर्ष से जीता चला आ रहा है। कितने नाम आए और गए। दुनिया उनको भूल गई, वे दुनिया को भूल गए। मगर कुटज है कि संस्कृति की निरंतर स्फीयमान शब्दराशि में जो जमके बैठा, सो बैठा ही है। और रूप की तो बात ही क्या है! बलिहारी है इस मादक शोभा की। चारों ओर कुपित यमराज के दारुण नि:श्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रुद्ध अज्ञात जलस्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है। और मूर्ख के मस्तिष्क से भी अधिक सूने गिरि कांतार में भी ऐसा मस्त बना है कि ईर्ष्या होती है।	
13.	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।	2x5=10
(क)	'तो हम भी सौ लाख बार बनाएँगे ' सूरदास के इस कथन में निहित जीवन मूल्यों को स्पष्ट करते हुए कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।	5
(ख)	हमारी आज की सभ्यता नदियों के प्रति उदासीन है। 'अपना मालवा खाऊ-उजाडू सभ्यता में ' पाठ के आधार पर कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।	5

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

(ग)	'बिस्कोहर की माटी' नामक पाठ हमें प्रकृति की ओर लौटने का संदेश देता है। इससे आप कितना सहमत हैं? पाठ के आलोक में स्पष्ट कीजिए।	5

>>>